



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 20] नई दिल्ली बृहस्पतिवार, अगस्त 3, 1989/ श्रावण 12, 1911
No. 20] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 3, 1989/SRAVANA 12, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1989

अधिसूचना सं. 9/89:—औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 की धारा 43 द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के निदेशक बोर्ड ने (भारतीय
औद्योगिक विकास बैंक और आयकर आयुक्त, दिल्ली के पूर्व अनुमोदन से) भाऔविनि (कर्म-
चारियों को उपदान का संदाय) विनियम, 1963 के विनियम 6 में पहली जनवरी, 1986

से भूतलकी प्रभाव उत्पन्न संशोधन का अनुमोदन किया है। लाभोविनि (कर्मचारियों को उप-दान का संवाय) विनियम, 1968 का संशोधित विनियम 6 निम्नानुसार है :—

“विनियम 5 के उपबन्धों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी कर्मचारी को अनुमेय उपदान की राशि इस प्रकार होगी :—

- (क) निगम में की गई सेवा के प्रत्येक पूरे वर्ष या छः महीने से अधिक अवधि के लिए एक महीने के बराबर राशि। लेकिन यह राशि बीस महीने के वेतन या नब्बे हजार रुपये, इनमें से जो भी कम हो, से अधिक नहीं होगी; और
- (ख) निगम में तीस वर्ष से अधिक की गई सेवा के प्रत्येक पूरे वर्ष या छः महीने से अधिक अवधि के लिए, साठे महीने के वेतन के बराबर अतिरिक्त राशि।”

2. उक्त संशोधन पहली जनवरी, 1986 से भूतलकी प्रभाव से लागू होगा।

हरिश्चन्द्र शर्मा, महाप्रबन्धक

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd August, 1989

Notification No. 9/89.—In exercise of powers conferred by Section 43 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948, the Board of Directors of the Industrial Finance Corporation of India (with the previous approval of the Industrial Development Bank of India and Commissioner of Income Tax, Delhi) have approved the amendment to Regulation 6 of the IFCI (Payment of Gratuity to Employees) Regulations, 1968 with retrospective effect from the 1st January, 1986. Amended Regulation 6 of IFCI (Payment of Gratuity to Employees) Regulations, 1968 reads as under :—

“Without prejudice to the provisions of Regulation 5, the amount of gratuity admissible to an employee shall be :—

- (a) a sum equal to one month's pay for each completed year of service or part thereof in excess of six months in the Corporation subject to a maximum of twenty months' pay or Rupees ninety thousand, whichever is less ; and
- (b) an additional sum equal to half month's pay in respect of each completed year of service in the Corporation or part thereof in excess of six months of service over and above thirty years.”

2. The said amendment will come into force with retrospective effect from the 1st January, 1986.

H. C. SHARMA, General Manager